

अनुज्ञेय वि. (तत्.) जिसकी अनुज्ञा अथवा अनुमति दी जा सके।

अनुण वि. (तत्.) जो सूक्ष्म न हो, मोटा अनाज।

अनुतप्त वि. (तत्.) [अनु+तप्त] 1. जो किसी प्रकार के अनुताप या पश्चाताप से युक्त हो, पश्चाताप युक्त 2. किसी नासमझी से बहुत व्यथित 3. मानसिक खिन्नता से युक्त जैसे- अनुतप्त वह दीन सा अनुगमन तब कर रहा।

अनुतान पुं. (तत्.) भाषा. स्वर का उतार-चढ़ाव जो वाक्य के उच्चारण का एक खंडेतर विशिष्ट अभिलक्षण है तुं. बलाघात।

अनुताननीय समतुल्य वि. (तत्.) भाषा. जो किसी 'स्रोत भाषा' से किये गए 'लक्ष्य भाषा' के अनुवाद में पूरी तरह ठीक ढंग से प्रयुक्त हो जाने वाला हो।

अनुतान परिरेखा स्त्री. (तत्.) भाषा. वाक्य के ऊपर उस वाक्य के अनुतान के उतार-चढ़ाव को आरेखीय रूप से दिखाने के लिए उस वाक्य के ऊपर डाली जाने वाली रेखा।

अनुताप पुं. (तत्.) 1. तपन, जलन 2. दुःख, खेद, पीड़ा 3. पश्चाताप, अफसोस।

अनुतापन वि. (तत्.) दुःख देनेवाला, पश्चाताप करानेवाला पुं. (तत्.) 1. दुःख देना 2. पश्चाताप करना, पछतावा करना।

अनुतुष्ट वि. (तत्.) [अनु+तुष्ट] 1. जो किसी व्यवहार, कार्यसिद्धि आदि के परिमाण स्वरूप संतुष्ट हो गया हो। संतुष्ट 2. संतोषयुक्त जैसे- अनुतुष्ट छात्रवर्ग।

अनुतोष पुं. (तत्.) प्रार्थी द्वारा बताई गई विपत्तियों और असुविधाओं का न्यायालय द्वारा निवारण, इस तरह के निवारण के लिए प्रदत्त सुविधा/राहत। relief

अनुतोषण पुं. (तत्.) [अनु+तोषण] 1. किसी व्यवस्था या अनुकूल कार्य-सिद्धि से संतुष्ट होना। 2. किसी को अन्न-धन आदि देकर अनुकूल बनाना।

अनुत्तम वि. (तत्.) [अन्+उत्तम] 1. उत्तम होने का अभाव, जो उत्तम न हो 2. जिससे अधिक उत्तम अन्य कोई न हो 3. सर्वोत्तम, सबसे अच्छा जैसे- कृष्ण की अनुत्तम छवि प्यारी।

अनुत्तर वि. (तत्.) 1. निरुत्तर, उत्तर रहित 2. जो उत्तर दिशा में न हो 3. लाजवाब।

अनुत्तरदायित्व पुं. (तत्.) [अन्+उत्तरदायित्व] उत्तरदायित्व न होने का भाव, उत्तरदायित्वहीनता, जिम्मेदारी से रहित विनो. उत्तरदायित्व।

अनुत्तरदायी वि. (तत्.) 1. उत्तरदायित्व न सँभालनेवाला, कर्तव्य न पूरा करनेवाला 2. उत्तर न देने वाला।

अनुत्तरित वि. (तत्.) उत्तररहित, उत्तरविहीन।

अनुत्तान वि. (तत्.) जो उत्तान न हो, छाती के बल लेटा हुआ, जो पीठ के बल न हो।

अनुत्तिष्ठता स्त्री. (तत्.) [अन्+उत्तिष्ठता] मनो. शरीर की वह अवस्था जिसमें लेटे हुए या बैठे हुए की स्थिति से उठने की सामर्थ्य का अभाव हो।

अनुत्तीर्ण वि. (तत्.) जो उत्तीर्ण न हो, फेल, असफल।

अनुत्थान पुं. (तत्.) 1. उत्थान का न होना, उत्थान का अभाव, उन्नति का न होना 2. चेष्टा का अभाव।

अनुत्पत्ति स्त्री. (तत्.) 1. उत्पत्ति न होना 2. विफलता, असफलता।

अनुत्पन्न वि. (तत्.) 1. जो उत्पन्न न हुआ हो, जो जन्मा न हो 2. जो उत्पन्न न किया गया हो।

अनुत्पाद पुं. (तत्.) 1. उत्पत्ति का न होना 2. अस्तित्व में न आना।

अनुत्पादक वि. (तत्.) उत्पादन में असमर्थ, जिससे कुछ उत्पन्न न हो।

अनुत्पादक श्रम पुं. (तत्.) [अन्+उत्पादक श्रम] अर्थ. वह श्रम जिससे किसी वस्तु का उत्पादन या उपयोगिता न बढ़े।